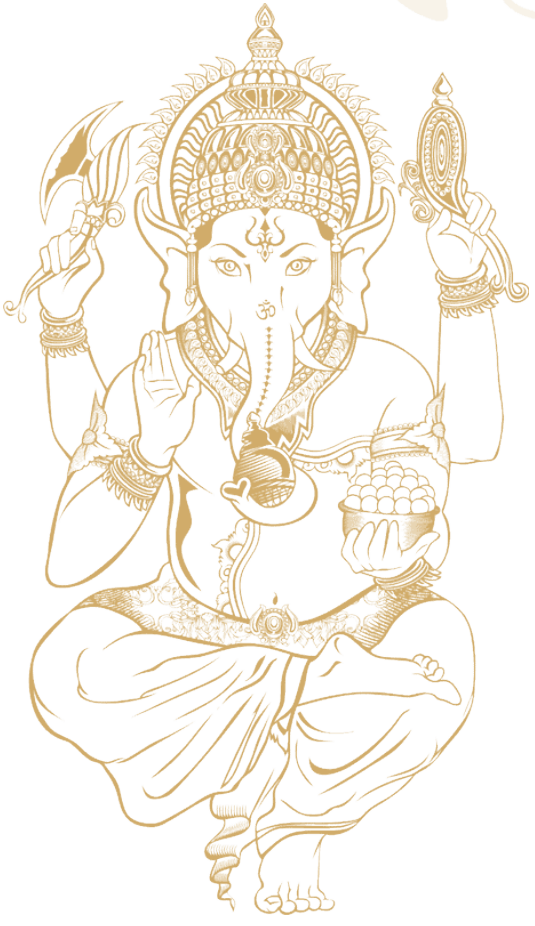

Ms. Shubhangi verma

05 Feb 2000

12:30 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 120864619

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/02/2000**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:30:00 घंटे**
इष्ट	14:56:27 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:40:48 घंटे
वेलान्तर	-00:13:59 घंटे
साम्पातिक काल	21:39:49 घंटे
सूर्योदय	06:31:25 घंटे
सूर्यास्त	17:35:10 घंटे
दिनमान	11:03:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:55:12 मकर
लग्न के अंश	13:49:07 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्यतिपात
करण	नाग
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	13:49:07	371:58:12	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	---
सूर्य			मक	21:55:12	01:00:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	19:04:27	12:16:15	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			मीन	00:58:52	00:45:59	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मित्र राशि
बुध			कुंभ	06:03:55	01:40:46	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
गुरु			मेष	04:40:43	00:08:30	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			धनु	20:14:13	01:13:53	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि			मेष	16:58:19	00:02:39	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	09:53:28	00:00:31	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	09:53:28	00:00:31	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	22:53:07	00:03:30	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	10:38:21	00:02:15	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	18:36:47	00:01:18	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मक	28:44:24	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:17

लग्न-चलित

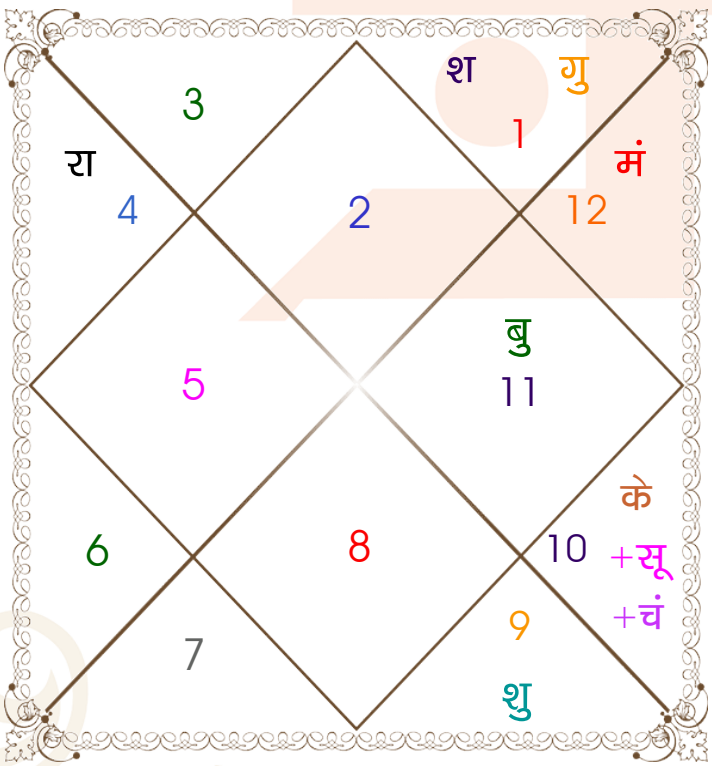

चन्द्र कुंडली

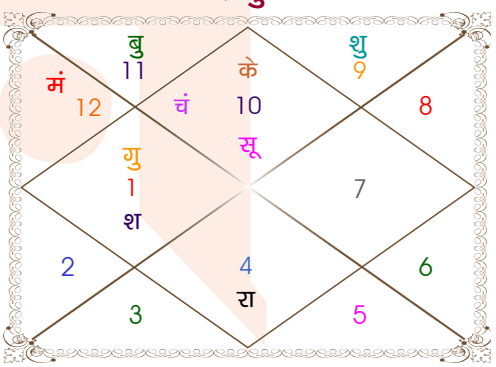

नवमांश कुंडली

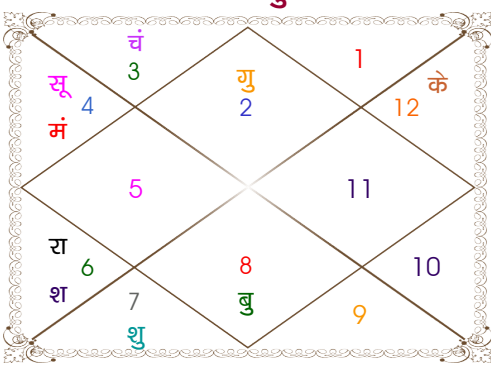

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 2 मास 10 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/02/2000		17/04/2003		17/04/2010		16/04/2028		16/04/2044	
17/04/2003		17/04/2010		16/04/2028		16/04/2044		17/04/2063	
	00/00/0000	मंगल	13/09/2003	राहु	28/12/2012	गुरु	04/06/2030	शनि	20/04/2047
	00/00/0000	राहु	30/09/2004	गुरु	23/05/2015	शनि	16/12/2032	बुध	28/12/2049
	00/00/0000	गुरु	06/09/2005	शनि	29/03/2018	बुध	23/03/2035	केतु	06/02/2051
	00/00/0000	शनि	16/10/2006	बुध	16/10/2020	केतु	27/02/2036	शुक्र	07/04/2054
	05/02/2000	बुध	13/10/2007	केतु	03/11/2021	शुक्र	28/10/2038	सूर्य	20/03/2055
बुध	16/07/2000	केतु	11/03/2008	शुक्र	03/11/2024	सूर्य	17/08/2039	चंद्र	19/10/2056
केतु	14/02/2001	शुक्र	11/05/2009	सूर्य	28/09/2025	चंद्र	16/12/2040	मंगल	28/11/2057
शुक्र	16/10/2002	सूर्य	15/09/2009	चंद्र	30/03/2027	मंगल	21/11/2041	राहु	03/10/2060
सूर्य	17/04/2003	चंद्र	17/04/2010	मंगल	16/04/2028	राहु	16/04/2044	गुरु	17/04/2063

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
17/04/2063		16/04/2080		17/04/2087		18/04/2107		17/04/2113	
16/04/2080		17/04/2087		18/04/2107		17/04/2113		00/00/0000	
बुध	12/09/2065	केतु	12/09/2080	शुक्र	16/08/2090	सूर्य	05/08/2107	चंद्र	16/02/2114
केतु	10/09/2066	शुक्र	12/11/2081	सूर्य	17/08/2091	चंद्र	04/02/2108	मंगल	17/09/2114
शुक्र	11/07/2069	सूर्य	20/03/2082	चंद्र	16/04/2093	मंगल	11/06/2108	राहु	18/03/2116
सूर्य	17/05/2070	चंद्र	19/10/2082	मंगल	16/06/2094	राहु	06/05/2109	गुरु	18/07/2117
चंद्र	16/10/2071	मंगल	17/03/2083	राहु	16/06/2097	गुरु	22/02/2110	शनि	16/02/2119
मंगल	13/10/2072	राहु	04/04/2084	गुरु	15/02/2100	शनि	04/02/2111	बुध	06/02/2120
राहु	02/05/2075	गुरु	11/03/2085	शनि	18/04/2103	बुध	11/12/2111		00/00/0000
गुरु	07/08/2077	शनि	20/04/2086	बुध	16/02/2106	केतु	17/04/2112		00/00/0000
शनि	16/04/2080	बुध	17/04/2087	केतु	18/04/2107	शुक्र	17/04/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 2 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ठ धघ्नादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगी या जी चुरायेंगी तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ठ धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहती हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नही लेती हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करती हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेती हों उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखती हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाती हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त कर लेती हैं।

क्योंकि आप यह जानती हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम पड़ता हैं तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाती हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना की महिला नही हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहती हैं।

स्वाभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाली प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाली तथा पीछे मुडकर नहीं देखती हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नही चाहती यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरूचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझती हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय की प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्त्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नही लगती है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों की सहायक होंगी।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकती हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगी। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगी। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहती हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं।

अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।